॥ श्रीः ॥

रसिकविनोद ।

श्री राज्यधानी जयपुर निजग्राम
विराट् श्री द्विजवर गौड राम
धन तत्पुत्र जवाहरदत्त
जी विरचित ।

विक्टोरिया प्रेस, बनारस ।

श्रावण शुक्ल ५ सं० १९४६ ।

॥ श्री: ॥

अथ रसिकविनोद ।

श्रीगणेशायनम: ।

दोहा । बुद्धिसदनकरिवरबदन विघ्नसमनइकदन्त । फरसकमलशोभितअरुन भक्तवरदभगवन्त १

कवित्त । धारणदुकूललाल शोहैअतिचंद्रभाल दुंदिसूंडिहैविशाललडूप्रियकारीहै हीरानगपोखराज पन्नाऔरनीलमकोवीचिवीचिमणिलालऐसीमालडारीहै विघ्नअघनाशिनीजडाउपगपायजेवचौंरकरैऋद्धिसिद्धिबोलैबलिहारीहै भनतजवारअंधकारदूरकरनेकूं ढुण्ढिराज आजि विश्वमोहरूप धारीहै २

सवैया। विघ्नविदारण दारुणहारणधारण फारसआपनकीनू उत्पललालबिशाललि योभवत्यारणभक्तअभैकरदीनू मोदकमोद ददातीसदातवचाकरआखरजों रोकूं चीनू आननआनँदकारोगजानन वाहनमूषकसु दरलीनू ३

कवित्त। येहोकैलाशराजभूतप्रेतपिशाच साथिउमाभंगलिएहाथि नैनखोलि पीजिए भक्तखडेद्वारिपारिध्यावैं नितबारबारउनकूं निहारिकैअलक्ष्यौंनकरदीजिए करुणाके सिन्धुइन्दु शोभितललाटअति लोभित ज वारकीअरजसुनिलीजिए नामहैतवविश्व नाथमैंहूं अनाथनाथ कुटिलकपूतजाणिअै सेहिदयाकीजिए ३ काशीकेनिवासीजम फाँसोपैनजानदेतभक्तसुखराशीराहमेटाहै रौरवकी धारीमणिमालगललालहूकराल लोलनैनकीप्रभातेपूतकीनी दिक्पूरवकी लीनूकरदण्डदुष्टअंगखंडखंडकीनूदासमन आसपूरकीजेहोमेरवकी देखतहैजवारला

लकीनीछिविहालहालझांकीविशालमतिवा
लकालभैरवकी ४ बालवयजन्ममातभर्ण
पालपोषकीनू तर्ण वयतारुणो पियारपनिमे
रोहै तबलौनानिहारोनामनेकहू तिहारामें
दोयवस्तछोडिहारएकवस्तधारोहै अस्त
मैसुशक्तगात तोविनअशक्तहाथ भक्षहेतु
ज्ञातिजातिकछूनाविचारोहै. भनतहैंजबा
रतत्रचरणौंचितल्यायकेभैरैतो अधारअन्नपू
र्णेमाततेरौहै ५ बशनविचित्रगातभूष
णप्रकाश जोहैमोहैमणिमालकंठडालि दुख
हर्णेकी शोहैकिरीटमणिकुण्डलझलकानन
मैकंकणकरवारेहैविशालताभर्णेकी ओरमा
तअंगकीनिकाईमैकहालौकहौं चाखीवटलो
ईहाथिलोनीभोगकर्णेकी चेततहैजबारतो
यचरणौं चितल्यायकेचारुतरझांको मनमो
हैअन्नपूर्णेकी ६ शकहीप्रसूताधेनुवत्स
त्यागिभक्षहेतुप्रातहूसुदूरगिरिकंन्दस पधा
रेगी सीतलसुगन्धभूमिउद्धतझरंगघासझा
तपूतहोततजिसीघ्रहूनिहारेगी त्योंहीमा

तमन्दाकिनिमंदहूप्रवाहत्वाकोअधमीअघघो
रीत्यारिमोकूंकर्यौंनत्यारेंगी निश्चोहैजवा
रजगदम्बगंगमिलतेहीतेरेपापपुञ्जको वि
भञ्जकरडारैंगी ७ दुस्तरहसिन्धुकूंउलं
गकरडारचोतात धायोहोतुरन्तजाय सीता
कूंनिहारयोहै पूछीकुशलाईमातसबहीसु
नाईबातपाईआसखायफलबागकूंउजारयो
है हारेरखवारेपूतअक्षयकुमारमारेधारेब्रह्म
फांसकामरामकोसुधारयोहै जानैंहैजवार
गढलंकहजराईआपभक्तकाज आजिमहावी
रतोयभारयोहै ८ बांकीचारुचंद्रिकाविराजै
सीसतिलौंभालकंठमुण्डमाल लोलनैनसर
शालीहै अंगकीविशालीकरखड्गकीप्रभा
लीडालीलालीओगुलालो रणकंकणबहाली
है मद्यमतिवालीहोसुरालीवलवालोआप
मोंहैवनमालीजौंकलालीकीनिहालीहै मा
गैंहैजवारवरगालीरसदीजमोय निश्चैमन
हालीतूकुशालीमातकालीहै ९ सावनसमी
रसीरझरी लगीवर्षाकीहरीहरीडारि द्रुमपु

ष्पफलसारीहैं झरैं बारिझरणशोभितगि
रिकंदरामैंचातकमयूरकूकमारैहरखाईहै सु
न्दरगुहानमैंसमाजसुखसन्तनकी एकओर
लाखोजीविशालरूपधारीहैं भनतहैजवा
रद्वारदेहैतोयआसिका धन्यभीमसिंह आप
मे रेहितकारीहैं ११ नोबतिनकारासहना
यतोरद्वारबाजैं गावैंमृगनैनीमिष्टतानसैं
रिझावैं हे हरषकेसिरोपावश्रीफलगठंजो
डासैं अवलानवीनवरहाथसैचढावैंहैं लडू
ओरमाठीसूतखुरमासुहालनकोदेखि जोति
आपकीभोगतबलगावैंहैं भनतहैजवारनि
इचैभक्तकोनिवाजतूमंगलशुभकाममैभीम
आदिध्यावैंहै १२ भगवतकूं जानैएकवाही
कोध्यानराखैंभाखैशत्यबानीताकोब्राह्मनश
रीरहै दारावहुपुत्रीदुखअपंगहीअंगजाको
द्रव्यनहीपासिऐसोकोऊनागरीबहै दीन
कोदयालुपाल करैंगडब्राह्मनंकी निऊचोकरि
वाकोतवअमीरीतसीरहै भनतहैजवारमन
आसतोअनेकहूभवितआसधारिपास खडार

घुबोरहे १३ राधाकीसहेल्यूमेंविशाखासं
मझानलागोकहैथोजवारआजि कृष्णगयेब
नमें चढिकेकदम्बपरटेरोटेरवनसीकीमोहि
केतिलोत्तमाघ्रताचिआईछिनमें उरवसीवा
मीनकारंभादिसब किन्नरींचलीसंग होयके
खोजतघनबनमें दीखैनहीश्यामचहूंओर
कूंविलोकतीहरीहरीपुकारती हरीहरीलता
नमें १४ रसखानिकवित्त। आननिहारि
महताब आवमन्दहोत खंजवाकुरंग नैनदे
खिसरमैंहैरी लरिहैघनश्यामश्यामसुरमा
सराईपै जनिहैमृगेन्द्रतोकटी कटिधरिहैं री
सुनिहैं बैनकोयलतजिजैहैं वागनकूं करिहैं
ध्वनीनूपरहंसजरिजैहैं री बरिहैं तोकौन
याखोपहें जवाहरकूं मन्दचालचलैहैगयन्द
लाजकरिहैं री १५ आईवासमें भेंपियारीज
बदरीचीवीचिखीचिसीकमारीअहकारीतहां
छैगई बक्रयाकपोलमृदुवैनलोलनैननकी
द्युतिदेखिइन्द्रकीबधूटीखडीरहिगई ओर
चहुं ओरठोरठोरसारहोतवाको कोऊकहैवो

णिमैंबजायरागकैगई घायलूंसेपूछीजा।
जवाहरकहैं हें क्याचपलासी चिमक्कचित्त
चोरिचहलैगई १६ आयोरीअषाढघूंमिघ
टाघेरिछाइलीनी धीरीओसमीरसीरवारिबूँ
दगेरीरी जानैंहैंजवारतीरलागै आरिपारि
मेरेसेजमैअकेलीकूककोयलसुनाईरी रूमरू
मअंगमैंअनंगरंगव्यापआयोकपटोनाआयो
कौनशोकिनैलुभाईरी चूक्योवोकरारझूंठ
सारीमदछकियाकीकंथचित्ततोडि मोयकसैं
विसराईरी १७ सवैया । सीतसमैमृगनै
नीपियासंगसेजसेउठिअटारीपैंआनी हो
ष्टकपोलनितम्बपयोधरपीडितरेनरतीकुमि
लानी हारश्रृङ्गारउतारतडागनिहारहुईम
नभैंभयठानी जौंरीकूंजोरसेकैन लगीकेहि
कारणप्रातबफातहैंपानी १८ वारिधिवन्हि
मिलीझठरागिनिप्रेमसेप्रीतिहुईइहरखानी ।
दोन्यूकोदैववियोगकियोइकसिन्धुमिदूजीदि
ईतवकानी जौंरीयासीरसमीरतुषारपपात
सराशरतैंप्रजुलानी आतीहैं भैंननिहारनकूं

यहीकारनप्रातवफातहेपानी १९ चित्रवि
चित्रवन्यूअतिमन्दिरसुन्दरसेज बिछीसुख
दाई चन्द्रकलंकीकहाकरिहैतहांझारफनूस
जरेअधिकाई मन्दसुगन्धहवाचहुं आवत
देखिजयाहरहीहरखाई क्यातेरापीतमआ
यानहीक्यहिकारणनैनननीदनआई २०
शिशिरवसन्तहेमन्तया ग्रीषममैं तत्रऐसीन
हीबौराई कासुकहूं कितजाऊं सखीअबवै
रणियाबरषाऋतुआई घूंमिघटाकारीकारी
घटीचपलाकीचिमक्कसहीनाहिजाई पीतम
आजिविदेशगए यहिकारणनैनन नीदनआ
ई २१ कौनहकोकततोयकहूं नितरोयरहूं
मनमैसकुचानी अंगअनंगतरंगचढैजवरंग
मेभंगझरैमदपानो हारशृंगारउतारधरेसु
खसेजतजीभरपूरजवानी चंचलचित्तके
चापसहुं जौरीपीतमपीरहमारीनजानी२२
भानुउदयनहीहोनसकैतवहीते कुवातकहा
करतीहै वोप्रीतितुमारीहमारोरहीवाकूंद्यो
रजिठानीवक्यकरतीहै वदनामहुईपतिछो

डिदई जौरीलालकहैवाकूं नानतहै पिया
प्यारेतिहारेनिहारेविना अखियाँदुखियँनहि
मानतहै २३ गारीतिहारीकुप्यारीलगैसु
खटारोअटारीकटारीदईरी चित्तकीतारीउ
तारीहमारी तूं नारीमेंखारी ओडारिचलीरी
नेहकेनेनवियोगकियेकटुतोरेहिएअब प्रेमन
हीरो जौं रीकहैमतिशोचकरैतोकूं तोयसच
रित्रपढायगईरी २४ सोमापचासपचीसप
चासमावारामादेखिकेएकरहीरी तारेसिता
रेउतारेघनेओरवारीमैवान्हिलगायदईरी कि
न्नरीइन्द्रवधूटोहरीगुणराजकुमारकूं सवंक
होरी जौरीसेपैलीतूपूछीनहीउसदूतीकेगेह
मेकाहेगईरी २५ अवलाकासवैया। आदिच
रित्रसुनूं इसकोशिरगागरिधारिमहाल फिरी
री जोविनकीछकछेलीछवीली छलैतिरिया
कहल्योनादहीरो मोठीसीवैनसबेवातकहैसव
यादिकरेनहिआऽअहोरी जौरीव्योहारवढ्यो
जोवनूं तवसासननैयाघरभेजदईरी २६
सवैया जवाहर का अवला सें

दोषतिहारोवताऊं कहा तोरिसासखिनानैंमै
शोचोनहीरी लाजकुटुम्बकीटूटीसहीजिसरो
जअहीरीकेसंगगईरी ओरकैआगेकपट्टच
लैमेंरोनामजवाहरदत्तकवीरी शत्ययथोकृ
तवतायवधूतोकूं दूतीकेमन्दिर क्याक्याभई
री २७ जवाब अवला का जवाहरदत्त से

॥ छन्द नाराच ॥

कहूं जीह्वालआपसेसुलाजकूं गुमायके मुर
खारगंधसुमैमांगसीलगायके सुलालमा
लडालिहूं त्रिशालनैनशायके विचीत्रचीर
शीसपैरुचोत्रपानखायके २८ दुकूलटूलकं
चुकीकुचौंनेखीचिशारिके किनारदारवेशवो
सुघेरदारधारिके सुगंधरंगअंगमैत्रिभंजरंज
टारिके चलीमरालचालसुमैं हंसढलजारिके
२९ यहांकेह्वालयेसुनेवहांवोराहजोवती वि
वारवारधारंसेनिहारजारसोवती नआवैंभै
नरैनमें उपायकोउटोवती कुमारराजआजि
कोकरारजानिरोवती ३० कहीकिसीनेजाय
कैकिभैनतोरिआबती तडाकऊठमोदसे झ

डाकलेनधावती मिलापकीनप्रेमतेसुसंग
म्हैलजावती विछायमैजमोजमे अनंगभंग
पावती ३१ दोहा । खानपानसनमानक
रि मायालगीबखान । वयासुखदेख्योहेस
खीकंथमिल्योनादान ३२ कवित्तदुतीका ।
एरीहोनवेलीरंगरूपकोरसीलोछैली दिव्यत
नुपायऐसकौंनरैनकीनोरी दीनीविधनानैमृ
त्यलोकभोगकरणैकूं यारविनजारदेहमट्टा
करिलीनीरी चास्योनास्वादअंगअंमृतफ
लरूपीको छोटोतवकंथमोजमाँणिगरबोली
री झूंठकतिजानिसां चगूछिजाजवाहरकूं
रगमगीसेजसाधिआजिमोरवीरोरी ३३
दोहा । दुतीकाएवचनसुनि वोलीचतुरसु
जान लघुगितममोप्राणसम फूकूंयारजवा
न ३४ अवलाकवित्त । जोतूयावतावैमो
यकौंनरैनऐसकीनीसुनिरीवेवुद्धि मद्यपीर
पीवजूटेहैं उठेजोपसीनारूकरूमकामजोर
हीतेखूटेवंधवाजूहारपोखराजटूटेहैं वाजेप
गपायजेवचरकीकुचमरकीज्यूँरती केलिम्हे

लमेविदामगटफूटे हैं दोसतवेजवारकेन्यू
नम तिजाणिप्यारीछोटे पहलोटेसे अनंगरं
गलूटें हैं ३५ दोहा। जँहुरीकानहिमिन्तस
खि झूठेंबैननवोल। कामकेलिरंगम्हेलकी
क्याजानैरंगच्होल ३६ दूतीकवित्त। रम
णअटारीसुखसारीचित्रकारीतहां गईप्राण
प्यारीजिहांविहारीआपसूयेहैं उतारीजरता
रीसीससारीअतुरारीहोतिमरजारबारीवो च
न्द्रमणीजूयेहै मन्दहूसमीरसीर पुष्पोंकीसु
गन्धवीर सीलीमृगनैनीपै मुरारीरूढहूये हैं
जानैइसमर्मकूं सुरंगवोजवारदत्त तेरोकौनरं
गझां पर्सीनाअंगचूयेहै ३७ दोहा। क्री
डाराधारमणसम केजनकरतवताय बिन
शोचेवकूवकूकरै नेकनहूं सरमाय ३८ अव
लाकवित्त। समानाधिकरणविनकहतीना
सोहैतूकहांरूपरम्भाकहांरूडीवा कुम्हारीहै
कहांवेदपाठीकहांलाठीवावंबूरहीकीकहांओ
टसाटीकहांकोयलविचारीहै कहांकविजवा
रकहांअर्घोअर्घदेणैंको कहांभूपइन्द्रकहांलू

लीमानजारीहै एतेनासमानमोंयपापऐस
कृष्णसमसुनिरीमतिमूढ वामाधवविहारीहै
३९ दोहा । क्रीडाअनंगसुकरतरत सोनर
राजकुमार कोकज्ञातगुणवन्तवहु सूरतते
जअपार ४० दुतीकवित्त । वासितसुगंधरं
गम्हैलतटसरिताकेगीषमकेभोगकी अटारी
तादिखाऊंरी सीतलसमीरसंगकेवडागुला
बनकोअतरछिरकायओ खिरकी खुलाऊंरी
खानपानपानदानपंखाहाथिबांदिनके चातु
रीवधूनतैखिदमतउठाऊंरो दिवाऊंनगपो
खराजहीरामणिजोंरीतै कृष्णतैअनेकरैनरं
गहूकराऊंरी ४१ अवला कवित्त । चालू
तवसंगरंगम्हैलछैलरासियाकेकुलको मर्याद
आजितोयसंगछोडूं मैं वैरीयोअनंगवाणमा
रेखीचिताणिताणि पराधीनजाणि निरलाज
चीरओढूंमैं कर्णाचतुराईप्राणनाथजाणिपा
वेनायदुजाहैजवारजारकरैतोनपौढूंमैं भोग
सुखरैनसेजराजह्कुमारकी पैऐसीनहिहोयू
हाथधोयदोयबोढूंमैं ४२ दुती कवित्त ।

प्रथमतोसुचातुरीसुचित्रकारकर्णौं मे दुजेका
मआतुरीनजाणिअंगहोणिवा तोजेगजराज
चोरिगेहमै छिपायव ढूं जानैनाविरंचिमृत्य
लोकजनिगीणिवादेवहूनदानवीनमा नवीन
जाणिपायग्यानधीजंवारजाणिं पावैनाहिचो
णिवा येतेमोयमायाकूं कदापिहूनजाणिपा
थभीमतजिभाणजाणिकोटिवधूवोणिवा४३
दोहा । दुतिफंदनिबन्धमै आगईअवलाना
रि। कहेवचनमुखमोरिक लेवलिमैहूतयार
४३ कवित्त जवाहरदत्त का । कामवती
कामनीकुगामनीकेह्वोयवश गौनहेतुअंगमें
श्रृंगारहारडारचोहै शोहैबुलाकनकवेसर
सीसवैंदोभालसालहू दुशालबालहालहाल
धारचोहै देखैजवारलालचालैतबमरालचा
लभ्रष्टामहा दुष्टानारि ऐसोकुलत्यारचोहै
प्राणपतित्यागिवैनवोलीयूं अहीरीकूधडके
जीमेरोअंगलाजहूसोमारयोहै ४४ सवैया
दुती का । जौं रीवात्यारहुईइतकूं उतदूती
पठाईसखीविभचारी जाझटराजकुमारक

होरंगम्हैलकरैंयहीरैनतयारी प्रीतिकीरोति
सेकामकियोमनमारिदुखारिन ल्याईहूं नारी
येसब जाकेकहोसजनीसुखसेजबधाईदिवाऊ
गीन्यारी ४५ सवैया अवला का दूती से
मद्यवनंन । कामनिकामगईअपनेइतहाल
सुनूअवलाघटकीको अद्यसुमद्यमगायसखी
चटपानकरू बढियामटकीको नामजवाऱध
रयोइसकोसुखकामप्रबोधनिलेतटकीको ।
जासंगरंगकरै पति ते कह्रुओरसु ओर रटै
रटकीको ४६ सवैया अवला का मद्यव
र्णन । मूरखनारिकुसंगपतीरत कामकिलो·
लकहाकरिजाणै कुत्सितगंधनिबंधअटानतु
दीपकभूपरलेधरठागै लालीगुलालीविला
चनकीमतिचालीसुआलीजवारवखाणै को
कनुशासनजानत जेमदिरारत आरतकोरंग
माणै ४७ सवैया अवला का मद्य वर्णन
पीमदपानकवीन्द्रगयेरमणीसंगलेरसुरंगअ
टारी ताछिविजों रीसुरेन्द्रबधूमनहारी नेहा
रीलजारीविभारी लेकरखोचोसुभोचीकुची

सिसिकीहिचकीमचकीसुपुकारी गारतअंग
अनंगकियोसुरतारतहारतबेमघुनारो ४८
कवित्त जवाहरदत्त का अवला का मद्य
पान की शोभा। चढिकेअटारीपैखडीविधु
वदनीआपद्राटिकानिहारतोचीरओडि दखि
नको जूहीओरमालतीगुलावकोजगायमद्य
घूमिघूमिपानकरैज्ञातनहीजीवको मद्यकी
तरंगभैअनंगअतिढंगहोत घटाश्यामतीडि
केतडितृज्यौंनैननको कहैजवाहरमन्दमन्द
वायुसंगलहरलहरलेतआजि पीतपटध्यारी
को ४९ दूतीप्रेरित विभचारी का राज
धानी मे पहुचना और ड्योढीवान से रा
जकुमार कूं पूछना सवैया। ह्यांअवलामद
पानकरैवहांपोषितसिघ्रगईरजधानी जानृ
पभृत्यसेकैनलगी महाराजकुमार कहांहैंइ
दानी पत्ररिजष्टरल्याईहू मैनिजदेनूहैतार
कुवारसुठानी सोचटहायसुपुर्दकरूं मुद
रूपीसुबैनकहूंगीजवानी ५० जवाव सि
पाई का भुजंग प्रयात छंद । सुनेभत्य

नेहालजोसिघ्रताके जरास्थीपतां प्रेरहूमैत
डाके गयोराजकेपासिम्हैलूकडाकेव्यथास
ईहीबैनकीनीझडाके ५१ तदानोजवानीसु
नीजोरसीलो यहीवैनकोराहजोवैछवीलो।
खुलीनैनसेनीं ददेखैहठोलो यथाभक्षपैसं
रऊठैकटीलो ५२ कहीभृत्यसेभेजिदेवेगि
जागे चल्योम्हैलसेछैलकोआसपाके खडी
द्वारपैनारिदेखीरिशाके चलेजाइयेहुक्ममेंहैं
सिघ्रताके ५३ दोहा । मृगनैनोमृदुवोल
नी अंगसुगन्धलगाय चलीमिलनसुकुमा
रके प्रेमनन्हृदयसमाय ५४ सवैया विभ
चारनी का राजकुमार से । सुन्दरअन्दर
मन्दिरमेंसुकमार सुवैन सु नाचनलागी।
ज्योंअवलाउतस्यारहुईतेहिप्रेरित ओसरमैं
इतभागी रूपअनूपजवारनिहाररह्योवि
लखायविलोचनताकी हेमहाराजकहोजब
लूंतवलूंसुखरैनमिलेअनुरागी ५६ जवा
व राजकुमार का नितम्वनी से कवित्त।
भीमाअंधसर्वरोसुगंधरङ्गम्हैलआजि जोवि

नउमंगगंगल्हैरजो अथाहरी आवैंगोनित
म्बनोसुजंघनीहमारिधामतवही प्रकामकीप्र
शान्तहोयहायरी जानैंहैजवारनारितोकूमैं
कहालूं कहूं प्रातहू मनाउदेविवेगहू मिलाय
री यहीहकमएककोहजारवारजानिप्यारी त
डाकहूतु जायकंझडाकदेखिनायरी ॥५७॥
दोहा । सुनतवचनसुकुमारके कामिनिगई
चटधाम दूतीसनमुखहोखडी कीनेशकल
बयान ५८ यहिकारनतुमजाजियो तिरि
याशब्दसुएक सबवरऐसीनारिहै रघुवर
रखैटेक ५९ जेजनमनमयाकहै किमेअव
लासतवंत सफथखारमैकहतहूं तेनरजडम
तिमन्द ६० दोहा । तिरियाशकलकुदोषयु
तकहांतककहैजवार बढैग्रन्थत्रष्णासमा प्र
मदादोषअपार ६१ दोहा । होतयारअव
लाचली सुन्दरसकुनविचार रमणहेतुसुकु
मारके निजपतितुरतविशाल ६२ अवला
को राजकुमार के पासि जाने की छवि व
र्णन छन्द नाराच । चलीमरालचालसुम

दालशाल कामिनी विदेशवासिना जनासु
चित्तकूं विदारिनी निशीथअन्धपुंजमैंप्रका
शखाशदामिनी जवारलालबालकीविशाल
तानगावनी ६३ दोहा। मन्दगवनतेगज
जरे नूपुरध्वनिसुनिहंस गईम्हेलसुकुमार
केतहांसूतोछैलनिसंस ६४ त्यहिक्षणपह
लोकवरकीभैंनकरैथीवात देखीनिद्रानैनमैं
चलीशिघ्रतजिभ्रात ६५ व्हांउसकोजानू
हुयो हंथाअवलापौंचीजाय वैठीसेजसमी
पहू प्रेमनन्हृदयसमाय ६६ जवाव राज
कुमारको निद्रालश अचानक सवैया।
सीतलमन्दसुगन्धसमीरशरीरअशक्त विचि
त्रभयोरी दोनिशिजौंरीकेसंगगयोयहीका
रननैननदीदभरेउरी दूजीयाभंगउमंगच
ढीमनैनाहिसुन्यूत्तुमक्याक्याकहचोरी भैंनन
गौनकियोअवलूंअतिरैनगईविरीजावोउठो
री ६७ दोहा। सुनतवचनसुकुमारके कंपि
तअवलागात लज्जायुतभयमानिमन कही
क्रोधमुखवात ६८ अवला सवैया। भीम

DBA000010147HIN

भयंकरडंकरसोनहिदेखी यारैनतुरन्तहुभा
गी मद्यउमंगअनंगचढ्योदोउवेधितअङ्ग
कियोसमआगी जौंरीहिजानतहैरसियातु
मआजिभयेरमणीरतत्यागी श्रीमहाराज
निहारकहोकहांभैनयहांअवलाअनुरागी६९
सवैया राजकुमार का। आयेहोकारमजेतु
महोसोमनोरथजौंरीभीजानिगयोरी मेअप
राधक्षमाकरियेतवकारनदूसीकेगेहगयोरी।
जोमुखतैभगनीकहदीअववाक्ययाओरसुओ
रभयोरी भैनसुभोगकियोनरजेजनमान्तररौ
रववासकर्योरी ७० दोहा। तूभगनीशुभ
धर्मकीममभ्राताकरिजानि हाजिरहूंतवहुक्
ममैं अवसुनेहकरिभान ७१ दोहा । मि
लीवाथभरभ्रातसे नैनानीरवहाय भनतज
वाहरत्नकत्ते दिईअसीससहाय ७२ दोहा
नानाभूषणअंगमेंदियेकवरपहराय विदा
किईनिजधामको चरणौंसीसनवाय ७३
सत्यवचनजिनकेहृदै सदारहैकल्यान दे
खोराजकुमारने किईधर्मनिजभाण ७४

इति रसखानि समाप्तम्

॥ श्रीः ॥

सोरठा। निजपुरकरूं बखान प्रथमउमा
वरत्रिनयकर। तिनकृपायायहिज्ञान जब
घटसुमरनकीनहर ७८ छन्द। ममग्राम
नामत्रिराटसुन्दरपुरवस्योचहुं भूधरा कैला
शराजविराजगिरिपर कुण्डतोनहुं जलभरा
घनसवनधोकअनेककिंसुककंतकीतुलसीघ
नी कचनारिचूतअनारखिरणी हरणमनऐ
सीवनी दुजस्नानध्यानसुगन्धचन्दन शंभु
तनचर्चितकरैं करुणानिधानसुजानशंकर
भक्तकेदुखहरभरैं मतिमन्ददासजवारगा
वतसुमतिशुभवरदोजिये यहिवारवारपुका
रशंकरअरजअवसुनिलीजिये ७९ सोरठा
पुरत्रिचकेशवराय सुन्दरश्यामलगवरतन।
बांकीछिविदरशाय चारुचित्तकररुजसमन
छन्द। रुजसमनजनमनचारुताकरसरन
निजपदकीकरैं जोभवतभवकरजनितआ
तपतुरतहीतनुतेंहरैं प्रतिपालदीनदयालचं

सीसधरधरवरटेरही सिरक्रीटमुकटविशाल मणिमयमालशोभादेरही नवनिद्धिअष्टमु सिद्धिसुखसुतसंपदाघरमेभरें कटुकुटिलक टकपणधूरतदेखिजनमनमेजरैं घटअन्धपुं जनिवन्धकेशवहरणअवकरलीलिये यहिदा नदासजवारमांगतविमलमतिकरदीजिये । दोहा । अतिविचित्रउत्तरदिशी वहुसन्तन केस्थान सोगिरिवरननकरतहूं तहांभीमम हावलवान ८० छन्द । वडस्थानसन्तस माजगिरिउरकन्दरामनमोहनी तहांसाधुस न्तफकीरवहुतरगुप्तगावतहरध्वनी सुख करनदारुणदुःखटारणरमणअतिशोभालता चहुं ओरव्रक्षसुघोरसीतलसघनजनमनहर नता घनघेरघोरघुमेरगरजितइन्द्रजोवर षाकरी अतिमोदयुतद्रुमपुष्पशाखाफूटिक रफलहरिभरी व्हांव्याघ्रसेरअनेकपक्षोम धुरझरणाझरैं यहिभांतिविप्रजवारगावत भीमभयदुक्षणहरैं ८१ दोहा । पांडवेकर स्थापितकरी मनसापूरननाम तादेवीविन

तीकरूं रम्यसु घटगिरिधाम ८२ छन्द ।
बडधर्मराजओभीमअर्जु ननकुल लघुसहदे
वही नृपद्रु पदकन्याद्रोपदीसंगशापजुगक
रकशरही अतिदण्डगहनन सहनतिनकूं गु
प्तजुगरहनूपरे जोत्रगटहइकमासरहतंहि
धर्मप्रणधरणेपरे बहुकठिनताकरकाटिदो
नेवरषएकादशवहो लघुकालअब्दन्तिहार
राजविराटचलिनवकरहो मनकामनाकरि
सित्थमनसास्थाविगिरिपरचलिआरे जपमा
तुविप्र जवारगाव्रतभक्तदुखमोचनकरे८३
सोरठा। आदिरूपमहावीर वरदातुरजन
भक्तकर रामयुत्वरणधीर करसु नेहजहरी
शरण ८३ छन्द । महावीरबडरणधीरनि
कटविराटसु घटविराजते । मुदरूपखेवहि
धूपजनमनभक्तिदेखिनिवाजत तनअरुण
दारुणटरणशरणनिहारपारउतारही खल
धूर्तदुजहरनिन्दकी तिनमारिधूर मिलावही
नरपाहिपाहिपुकारपवनकुमारचरण जोगह
परे अतिदीननैननिहारसेषकभार रिपुदल

परहरे इकदासअनुचरखासनाम जवारगा
वतप्रेमते यहिज्ञानशुभवरदानद्योतवपद
निहारूंनेमते ८४ दोहा । अर्जुनप्रथवीश
रधरे मनशंकल्पसुनाय जबधरणीशरकाढि
हूंशरितानीरनुहाय ८५ छन्द । महित्राण
स्नानसुहेतुअर्जुनताणिशरधरणीदियो ज
गदंबगंगसुसंगसरकेप्रगटहोशुभवरदियो
सुखशलिलमन्दप्रवाहतीर घुमेरघन द्रुम
छारहे बहुसाधसन्तसुम्हंतबुधजनविमल
तटयशगारहे अतिचारुताशिवशारदानहि
भनसकैपुलनांतको तहांसुघटमन्दिरदेखि
झांकीरमणराधाकान्तकी जयमातुछन्दज
वारगावतश्रवणकरिउरधारिये यहिअर्जनि
तदरशनकरूंभवविमलतनुकरित्यारिये८६
दोहा । सखामोरघटमैंवसैं कुमुदचकोर
सुचन्द अतेवऱेनिजमित्रको कहूंवनाकर
छन्द ८७ छन्द । मेमित्रदुजवलदेवजोस
मदूसरोभ्रातानहीं निजग्रामनामसिघोद
जिसकोवोपमाजातिनकही नरनारिरूपअ

पारसूरतशारदाकरलेशकी नितस्नानअंत
रकरतझांकीश्यामसुन्दरशेषकी वोदोस्तकु
लकीरीतराखैवचनजनमनहरनता अति
क्रोधकटुवचमोरसुनिकहैआपहीकीशरनता
बडमित्रगुणकरखानिजौरीकहतकहांतकछ
न्दमैं शिवअर्जअर्जुनकृष्णइवहमसदारैवें
संगमै ८८ श्रीरस्तू

अथजवाहरदत्तविश्वनाथकूं निज जडंता
वर्णनकर्के सुनानाओरसुमतिवरमांगनाओ
रइच्छावरप्राप्तहोना ।

सोरठा । शंकरपदउरधारि अघअपारजर
जातसब ममजडतात्रपुरारि करहुदूरिसु
निलेहुअब ८९ त्रोटकछन्द । जडतासुनि
शंभुजवाहरको मतिपापकठोरमहातरकी
९० अभिमानविरोधसदाउरमै सुमतीनहि
दीखपरैघरमैं ९१ परद्रोहत्रिफोरमेआतुर
ता शुभकर्मनिहारहियेजरतो ९२ कछुलो
नअलीनविचारनही निजधर्मगुमायकुमार
गही ९३ परनारिनिहारिजरौं तनमै वहु

पापकीनीतिधरौं मनमै ९४ परलाभविगा
डनधूरतता इतनानहिज्ञानकूमूरखता ९५
सतसंगविवेकहियेनधरौं पसुवृतिसुभोज
नखायमरों ९६ दुजशाक्षरदेखिनवौं नक
वी ममकर्मकुकर्मनिहाररवी ९७ बिषवैनभ
रयोनिकसैसुखतैं नहिलोहितनामरटौमुख
तैं ९८ नितझूठकहेनहियेसमता मतिमूढ
मदान्धफिरौं भ्रमता ९९ अभिमानगुमान
बिनाप्रभुना विषयारतआरतमेममता १००
अतिक्रोधप्रचंडकृशानुसमा करनेहसुवृष्टि
वुतायउमा १०१ द्रगभीतरनैनमुदेअघतै
इतनालघुज्ञातखुलैशिवतै १०२ तवपूत
कपूतजवारविभो सुमतोवरमांगतदेहिप्र
भो १०३ दोहा । विश्वनाथममनाथहोअ
र्जकरूं करजोरि कमतीहरसुमतीवरो धरूं
चर्ण चिततोरि १०४ त्रोटक छन्द । विमु
खीरहुतातपितागुरुतैं कुमतोघटआनिधसी
जबतैं १०५मरियादअतंकतजीसवसे कुल
टानट नीचकिसंगतसे १०६ मतिमूढकठो

रहिये जडता परस्वारथ ताडन जालडता
१०७ वडपापपहारधरचोडरमै द्रगसेंनहि
यादिकियोहरमें १०८ विसयारतचित्तफि
रैभ्रमता रमणीकुचदेखिनहीसमता १०९
श्रुतिवेदनुशासनज्ञातनहो धरल्यूं घटमैंह
रहाथनही ११० अतिथीअतिदीनदयान
करूं कछुद्रव्यहोपासतोमारिहरूं १११
प्रतिपालकआपसेनाहिडरूं नितझूठपखंड
मैपेटभरूं ११२ परपुण्यप्रभावनिलीसरि
ता नहिस्नानकरूअतिजीडरता ११३ भ
वतापदपंकजप्रेमनहो घरकीममताकरने
मनही ११४ प्रणमामिनमामिकरूंशिवकूं
जबहीवडसिन्धुतरूं भवकूं ११५ जिनकूं
शिवदानदियेक्षणमै अणिमामहिमागिरि
माघरमै ११६ शिवतैंविमुखीनरजेजगमें
उनकाजपधर्मपडैंअघमें ११७ भवनाथअ
नाथजबारविभो सुमतोवरमांगतदेहिप्रभो
११८ दोहा । गणःनायकतवप्राणप्रिय सु
नहुउमावरकान जोगणपतितुमसैकहैं क

रोतुतंबरदान ११९ त्रोटक छन्द । गण
नायकआपकहोशिवतैं सुमतोवरदानकरैं
मुखतैं १२० शिवकोक्रपयाअघघोरजरैं
सुबुधीयुतमोरशरीरकरैं १२१ शिवकेसु
तआपगजाननहो इतनीकरुणाशिवजाय
कहो १२२ प्रभुतादुखमोचनहैतुमरी तव
तोलघुअर्जकहोहमरी १२३ धरमज्ञसुय
ज्ञकियेमनमै तिनकूं शिवत्यारदियेक्षनमै
१२४ घटमैरटनाशिवकीजिनकै दुखदारु
णपापहरेतिनके १२५ बडपूतसपूतषडा
ननसे मुदमंगलरूपगजाननसे १२६ अ
णिमामहिमाचरणौजिनके गिरजावडलाड
करैतिनकै १२७ करुणागुणशागरआप
शिवो विजयाअंबदासकेहाथपिवो १२८
इतनाअनुकर्णकरैं जहुरी प्रमथाधिपनेहनि
गातुमरी १२९ शिवनामनिरूपणसारर
ती कुमतीदुखनाशनपारबती १३० तव
तांडवनृत्यनिहारासुरा व्यथलीक्रतहोकर
भूमिगिरा १३१ प्रतिबद्धमहाअवपुं जहि

थै करुणानिधिशीघ्रदयाकरिये १३२ तव
दासनिरासजवारविभो सुमतीवरमांगतदे
हिप्रभो १३३ दोहा। शिवशिवेतिशिवेति
रट घटघटभोलानाथ कुमतीहरसुमतीव
रैं जेकरैं शम्भुगुणगाथं १३४ त्रोटकछन्द
जयशंभुसदासुखमोथदिये शरणागतजा
निसहायकिये १३५ जयकारुणदारुणदूरि
किये सुमतीहृगभीतरमोयदिये १३६ ड
मरूइकहाथत्रिशूलधरो जनगालत्रजात्रत
न्हचालकरो १३७ शिवरूपअनूपअनेकछ
बी गुणगावतइन्द्रमुनीन्द्रकवी १३८ दु
खरंजनभंजनमोदमयं शुभदानदयाकरमो
पदयं १३९ भवतारणदीनदयालुहितं व
रदातुरनाथउमासहितं १४० हिममन्दिर
सुन्दरचारुतरं तहांआपविराजतशम्भुवरं
१४१ गणभूतपिशाचसदासंगमें उनमत्त
करालनशाभंगमें १४२ शिरइन्दुविराज
तसीतलता पदवारिजसुन्दरकोमलता १४३
शिवगंगचढातप्रसंनभये जेहिमांगतसोवर

दानकिये १४४ अहिडालविश.ालअनादि
तनू जगकेअनुशासनवेदभनू १४५ हर
ग.डसुत्रन्दत्रसेपुरमें तुमरीरटनासवकेघर
मे १४६ निजग्रामविराटसुजन्मलि.ो दु
जनामजवाहरआपदियो १४७ अबदीनज
बारनिहारविभो सुमतीवरमांगदेहिप्रभो।
इतिश्रीशिवस्तुतीसमाप्तम् । श्रीशिव.० ।

सवैया प्रार्थना ।

पापपरायणकामरतादुजधेनुयासंतनकूं
दुखद्याऊं निश्चयहैयहीकारणतेभवसागर
पारतिरयानहीजाऊं मोहमहाअघघोरहिये
हरनामतिहारोकभूमनल्याऊं जौंरीकरैकरु
णाकरजोरिकेशंकरजंपुरजाननपाऊं १४९
सवैया । मातपिताकायेधर्मनही सुतकूं क
छुशास्त्रनाध्यनकरावै बालअवस्थामैंब्या
हकियोतरुणीसंगनैनसुनैनमिलावै नारीदु
प्यारीहुईविनद्रव्यकेनाहिपढेकासुचित्तकुमा
वै ग्रस्तकामोहमेजीवफस्योजौंरीवारविदे
शमेजाननपावै १५० द्रव्यकेरक्षकनोकर

चाकरआखरपक्कोमकानबनावै चित्तसेगं।
ठसीबांधिरखैओररातिदिनावाकै पैरोलगावै
जीवजवारूप्यूकोखोपरहैकोइआनिअचानक
मारनजावै ऐसेहिद्रव्यकूं चोरिसकै जौं री
विद्यागुप्तधनचोरनपावै १५१ कजरी।
गिरधारीतोसंगहारीचीरमुरारीऐचोना मै
पुकारसुननेकैहेतूनैननमीचोना। गिर। न
वोननारीझा तुमदेखोचटसेपौं चोना ।गिर।
तुमनिजम्हैलकेतकीसूकेवा जासीचोना गि
र। भनतजवारकहैंमृगनैनोकुचज़िनमोचो
ना १५२ बांकोझं।कीछैलछबीलीसुपनें दे
खीअंगना मोरमुकटपीतांबरकछनी बांधे
मोहना। वांकी। नथियाहारपचलडीतोडी
खोलेवंधना। वाकी। सू तीरैननिस कपक रि
करिखीच्योकंगना वाकी उछटीनीदजवार
सावरोघटमैंरंटैना १५३ सघनबनझूलेरे
कन्हैयासखिस गगावैं रागमलार उमडिघु
मडिघनबदराछायेबरसतमूसलधार। सघ।
भीजीकंचुकीरजरतारीगलविचचूवतहार।

वरषातुरआतुरकामातुर चातुरकृष्ण मुरार
सघन । जौं रीदेखिप्रफुल्लितआननराधार
मणविहार १५४ जादूगारेनैनतिहारेबरछी
तिरछीमारैरे अरुणनैननीवूकीफकियासुर
मासारैरे जादू कविजनवृंदअंगतव लोक
तभू मिपछारैरे जादू इन्द्रादिकसुरलोक
पालमनसिथिलविचारैरे जादू चन्दचीर
जरंतारीओढीछिपगयेतारैरे देखिजवार
कहैसुनिप्रदाविधनासैहारैरै १५५ बल
दाऊतेबलजाऊंभ्रातातोसमदूजोना मम
रूपुभारटारणेंआतुरपीछोदेखोना बल
अंधपुंजवटमाहिहलायुध शीघ्रविडारोना
मैअतिदीनदयानिधितुमरोझटतिनिहारोना
भनतजवारकुटिलतामेरीचित मतिल्याज्यो
ना १५६ अबमोयछोडोछैलचिकनियांअंगि
यातनियांटूटलवा रंगउमंगअनंगपसीना
अंगेसैंछूटलवां अ० मणिमयहारनिरदई
गलसैंएभीखूटलवा अ० मोहनजोंरीनि
हारलवांटैयोरंगलूटलवा १५७

National Library